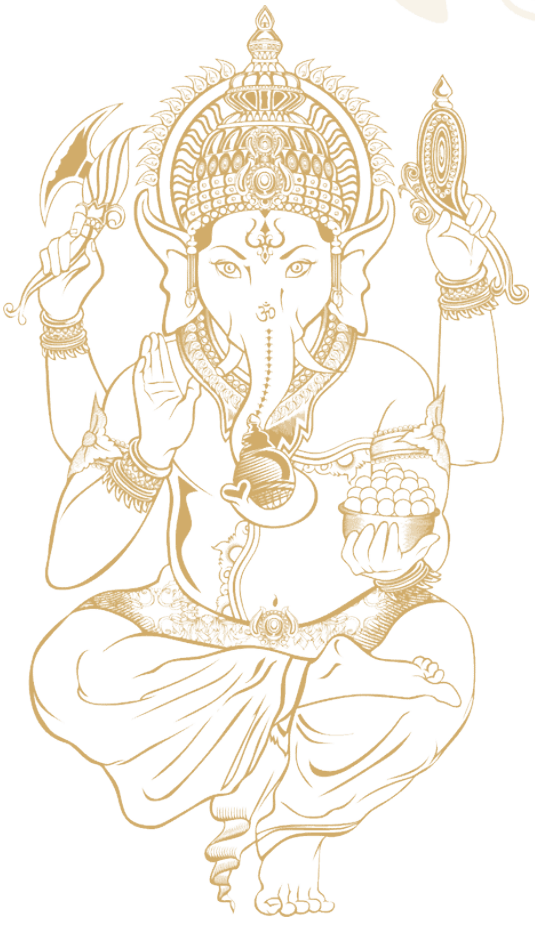

Mr.yash

ms.sakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119900306

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12-13/08/1996	जन्म तिथि	21/09/1999
सोम-मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 02:35:00	जन्म समय	14:15:00 घंटे
घटी 51:35:34	जन्म समय(घटी)	20:01:13 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Jaipur
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:56:46	सूर्योदय	06:14:30
19:05:11	सूर्यास्त	18:24:56
23:48:40	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:58

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 8वर्ष 2मा 2दि	11:57:51	मिथु	लग्न	धनु	19:34:59	चन्द्र 7वर्ष 4मा 14दि
केतु	26:35:47	कर्क	सूर्य	कन्या	04:04:55	राहु
15/10/2021	10:55:51	कर्क	चंद्र	मक	13:30:08	04/02/2014
15/10/2028	18:14:16	मिथु	मंगल	वृश्चि	18:12:22	04/02/2032
केतु 13/03/2022	22:27:29	सिंह	बुध	कन्या	14:26:19	राहु 17/10/2016
शुक्र 14/05/2023	14:44:40	धनु व	गुरु व	मेष	09:55:24	गुरु 13/03/2019
सूर्य 18/09/2023	11:04:53	मिथु	शुक्र	कर्क	26:53:11	शनि 17/01/2022
चन्द्र 18/04/2024	13:04:17	मीन व	शनि व	मेष	22:53:43	बुध 05/08/2024
मंगल 15/09/2024	15:15:14	कन्या व	राहु	कर्क	18:17:02	केतु 24/08/2025
राहु 03/10/2025	15:15:14	मीन व	केतु	मक	18:17:02	शुक्र 23/08/2028
गुरु 09/09/2026	08:04:07	मक व	हर्ष व	मक	19:25:16	सूर्य 18/07/2029
शनि 19/10/2027	01:53:59	मक व	नेप व	मक	07:52:40	चन्द्र 17/01/2031
बुध 15/10/2028	06:31:28	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	14:11:34	मंगल 04/02/2032

लग्न-चलित

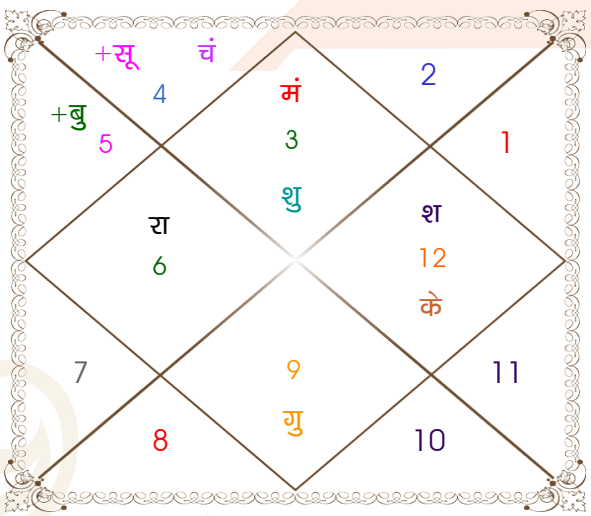

लग्न-चलित

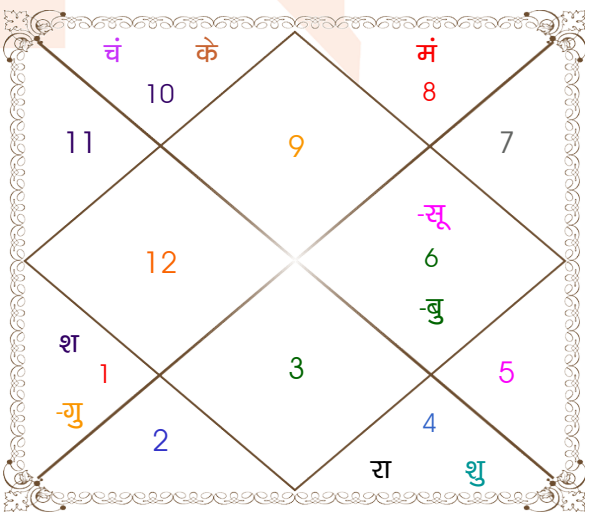

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	वानर	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

Mr.yash का वर्ग मेष है तथा उेंपीप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.yash और उेंपीप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.yash मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

उेंपीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल उेंपीप कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल उेंपीप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr.yash तथा उेंपीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।